VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

SEA

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1103916

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Srishti Dabas

माध्यम: हिंदी/अंग्रेज़ी
Medium: Hindi/English
English

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
26 Aug 2023

केंद्र
Centre Bhai Joga Singh School, Karol Bagh, Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ESG metrics allows for a multi-dimensional approach to prevent "commerce without morality" (Sin as per M.K. Gandhi)

It is important to integrate ESG with multi stakeholder approach, as

(1) takes care that environment is protected & economy expanded simultaneously

eg ≠ Adidas makes shoes from recycled plastic.

(2) Social welfare measures are taken

eg Tatas Athulya program

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

for Tribal women.

(3) coordinated effort give more dividends for Growth of all to ensure Sabka Sath Sabka Vikas.

Benefits accruing from such integration

1) keeps excessive & unsustainable profits under check.

2) ensures economic growth & ecological protection co-exist.

3) welfare of vulnerable, downtrodden including → Tribals, PWD, old age transgender, children.

4) channelize CSR funds in right direction.

SEBI recent ESG guidelines are step in right direction.

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Corruption refers to misuse of power and misappropriation of funds, including:

It can be:

1) retail corruption
2) wholesale corruption
3) active or passive corruption

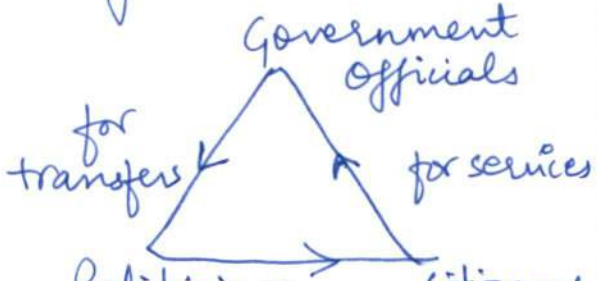

Two sides of collusive corruption

Demand Side → asking for bribe

Supply side → giving bribe

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

eg bureaucrat demanding money to approve passport

eg citizen pushing money under the table to fastrack work.

→ more visible face of corruption → hidden & tactic face

Threats of willing bribe giver:-

1. leads to sanskritization of corruption
2. chalta hai attitude
3. normalization of corruption & acceptance in society.
4. leads to lack of accountability & transparency.
5. makes it difficult to punish the bribe taker as it is mutual.

We need to prevent this attitude → for Su-raj - Good Governance

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Citizen Charter refer to set of commitments of an institution towards providing goods & services in timely manner, with adequate grievance redressal mechanisms

eg C.C of Delhi Jal Board

Obstacles while implementing it

Old bureaucratic set up	rigid attitudes of workforce
→ Status quoism.	→ service delivery seen as privilege of public & not right
→ lack of accountability due to secure jobs	
→ lack technology use	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Challenges include -

1] impractical targets set → non achievable.

2] targets set without consultation with public.

3] lack of sensitization among bureaucrats as well as public.

4) written in English & not regional vernacular languages

Thus, need for
→ citizen consultation while formulation
→ accountability checks eg audits
→ training of officials
→ see citizens as active beneficiaries, not passive recipients.
→ simple & practical

This will ensure (SEVOTTAM)
citizen charter
Grievance Redressal
Quality Service Delivery

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

India being a welfare state gives primacy to 'Quality of Public Service Delivery'.
eg provision of healthy food in MDM.

Public Service Delivery to vulnerable groups →

Is Efficient & sufficient	Is not efficient
1) plethora of schemes for women eg BBBP, mission Shakti	1) Women life still miserable - rapes, acid attacks domestic & workplace violence

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) Transgenders have been given formal recognition as third gender

2) no substantive change in behaviour of people
eg social taboo, still sex work & begging.

3) Schemes for children education (e-Diksha) & health (e-Sanjeevni)

3). Lack of digital access to children
eg. Rural areas have only 30% internet access

4) Rashtriya Vayoshri Yojana, SACRED & SAGE Initiative for elderly.

4) Old age still have to walk miles to get pension & ration.

5) NFSA Act 2013 for food security

5) 49% leakage in PDS (CAG), still hidden hunger

Hence, what we need is →
1) bridge digital gap
2) bridge urban rural divide
3) curb corruption & leakages

for EFFICIENT, EFFECTIVE & ETHICAL service delivery

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Lao Tzu refers to the ability of people to give & share, rather than ask for & store. The values required include

a) Benevolence
b) Magnaminity of heart
c) Compassion
d) Gratitude.

Giving to others

1) Mother Teresa

the epitome of kindness, helped so many poor & hungry

Have more for oneself.

received love & respect from millions of people

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2) **Sonu Sood**
helped migrants during covid → received praise of all and self satisfaction.

3) **IAS Somavanshi**
gave his AC to a hospital → earned blessing of many and happiness of heart

4) **APJ Abdul Kalam**
wrote to government to reduce his salary & instead give to needy → came to be known as People's President → The Missile Man of India

Treasure is not something that we store with ourselves, rather that what we give to others → love
→ happiness
→ respect

It comes back in some way or the other. Hence it is said:

"Do unto others as you wish them to do unto you."

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Robert Noyce is referring to the ethics of an organization
↳ including the values of the leader as well as vision of manager. (CEO)

The top down flow of values & behaviour happens because-

1) subordinates look upto superiors as visionary men.

2) leaders lead by example.
→ what they say & do becomes the norm.

eg. M.K. Gandhi's vision for Satyagraha was replicated by his numerous followers

उम्मीदवारों के इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

When it comes to poor ethics at top, we can remind ourselves of the fact that:

"evil spreads faster because it has attractive power."

Cf. Chanda Kochar's corrupt deeds would have sent a message of doing similar acts to her subordinates who follow her.

However, this also shows that it is easy to change work culture by changing the top most hierarchy to imbibe → discipline
→ punctuality
→ efficiency & effectiveness
→ dedication towards organization.

A boss who is punctual (on time to office) also makes his team punctual, hence top management must imbibe the belief of "BE THE CHANGE YOU WISH TO SEE IN WORLD"

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

John Locke has been a Supporter of rights of people — Right to life, liberty & property. His ideas are evident from the quote also.

Laws not to Abolish / Restrain freedom instead preserve & enlarge freedom

1] Right to Religion allows people to have religious practices & beliefs even when state is secular.

2] Right to cultural minorities to safeguard their unique traditions, rather than assimilate them with majority.

3) Right to Life (art 21) expanded by India to include Right to clean environment,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Right to live with dignity..
Right to health, etc.

4) Freedom of speech & expression not seen in narrow sense, rather includes → Freedom of press
→ Right to remain silent
→ Right to information

5) Expansive view by judiciary in India
eg 1) Right to women to enter Sabarimala
2) Transgenders rights
3) Homosexuality decriminalized.
4) Abortion rights expanded.

Yet, some restrictions on freedom by constitution itself = REASONABLE RESTRICTIONS.
eg: Sedition Law (~~act~~ section 124(A)).
: preventive detention.

Hence, need to balance national security & rights, along with duties.

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Morality in commerce is what makes business humane & sustainable.

Philanthrophic acts by successful businesses are expanding → eg Tatas in India, Jeff Bezos, Elon Musk (gave patents of Tesla for sustainable mobility)

Benefits that accrue from these acts –

1. Benefits society at large
   - ↳ poor people get food.
   - ↳ the barefoot get slippers
   - ↳ the homeless gets place to live.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) Benefits ecology → donations towards environmental cause
Eg Tatas acts of afforestation.

(3) Benefits the donor as well
↳ earns good will of people.
↳ reputation as well as profits ↑

But, this is necessary, not sufficient

1) charity amounts at times very meagre.
2) sense of pity instead of empathy
3) need to streamline the purpose & beneficiaries receiving the aid.
4) still huge multidimentional poverty (230 mn in India) and hunger, stunting (35%), anaemia (57%) etc.

Thus, need for more PPPP ⇒ public private philanthropic partnerships to make society grow & flourish & fulfil SDG goals

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Artificial intelligence refers to the technology where machines develop the ability to → think
→ take decisions
→ act
without human intervention.

It can go to depth of artificial neural networks

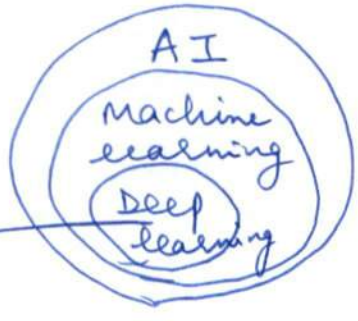

Challenges associated

(I) Concern of Fairness

→ AI may learn biases of humans
Eg Software Tau learnt abusive language of humans

→ start discriminating among humans on basis of caste, colour, gender

eg selection procedure by AI tends to favour men employees (reflect- patriarchy)

(II) Transparency

→ black box phenomenon = lack of knowledge in humans (the creators of AI) as to how it takes decisions.

→ also lack of accountability if mishaps & accident-

(III) Job security

→ replace human workers

→ do work faster & efficiently

→ enter hazardous industries

∴ replace men.

Need for → Ethical AI

→ better use of GPAI platform

→ keep check on creation of men

to make AI truely Transformative

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati was a great social reformer whose legacy continues even today.

(I) Emphasis on Education

S.D. Saraswati	Contemporary influence
(1) value based education	→ necessary as moral values are degrading
(2) education to girls	→ constitute better half of population & yet denied educatio
(3) teachers training	→ of NISHTHA

(II) Social Equality

(1) respect- all faiths	→ necessary as hate speech increasing

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) respect the disabled → rising intolerance towards pwd necessitate compassion.

(3) Inclusive towards poor & downtrodden → need to have empathy towards migrants

III Ethical values

(1) of empathy → to treat everyone equally, with dignity & transgenders

(2) of benevolence & helping nature → help those in need.

(3) of honesty → to overcome corruption & scams

(4) of integrity → for a progressive nation. & reduce crimes

All teachings of Dayanand Saraswati hold immense relevance towards for a peaceful & harmonious society

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

refers to the commitment & determination towards work, ensuring disciplined delivery of duties in time bound manner. It also includes perseverance to face challenges.
Eg IAS Saumya Pandey joined office soon after 14 days of delivery with her child.

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

refers to non alignment to any political party or policy of government, to maintain neutrality & impartiality. This ensures bureaucrates to be able to work under different governments.
Eg S. Jaishanker (as IFS) worked from Morarji to Modi.

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

refers to decision making based on merit, facts of the case after proper analysis to arrive at well thought out decision, without any biasness or prejudice.
Eg decision of BRO to make roads in tough terrain.

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

refers to the ability to be inclusive & accomodative in listening to different viewpoints & beliefs, as well as respecting them (even if we disagree). This requires patience.

Eg Tolerance towards all faiths — Sarva Dharma Sambhav.

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

refers to the ability to understand & feel the emotion of others — be it pain or happiness. It means putting oneself in shoes of others.

As said:

"Eyes are yours, but tears mine,
happiness is your, but smile mine."

Eg IAS Keerthi Jalli during Assam floods, went among people to feel their miseries.

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional Intelligence means understanding & controlling one's own emotions as well as those of others.

Eg Stay calm during anger situations.

It is not singularly associated with emotion / intelligence because
- is contextual
- varies from person to person.
- shaped by external factors.

Rather, broad range of personality characteristics →

- personal life → helps choose career Eg Dhoni chose cricket
- professional life → build cordial relation with peers / subordinates

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ ~~hange~~
→ manage stressful situations
eg during exams

→ resolve conflicts
eg mother uses AI to pacify both brother & sister

→ helps all personalities
- introverts/extroverts
eg to deal with isolation/excess fame

→ handle riots
eg civil servants during mob violence

→ be compassionate & empathetic
eg IAS Ira Singhal inducted 2 transgenders

→ helps during crisis situation: test of character
eg Neerja saved many

Hence, EI involves:

Self awareness → Self management → Social awareness → Social Manage-ment

eg SWOT analysis — eg control jealousy — eg of vices of society — eg handle riots

Thus, all personalities must adopt EI to ensure:
" ~~Let~~ Control your emotions, lest your emotions control you."

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accountability ensure responsiveness & answerability of bureaucrats to take responsibility for their actions & decisions.

eg. through RTI.

Inadequate state led accountability

1) poor implementation of Prevention of corruption Act-
2) nexus between politicians, bureaucrats, corporates
3) money & muscle power evades accountability
4) the permanent jobs → give job security & not deterrent of job loss.
5) no incentives / training to work for public.

Hence, role of **Bottom up Citizen accountability**.

1] through seeking information about actions of government

eg Jan Sochna portal, Rajasthan

eg phone call RTIs, Bihar

2] through commitments of citizen charter & grievance redressal.

3] contributing in decision making

eg Right to recall / referendums

4]. participatory approach

eg. Social audits & SIAs.

5] people see themselves as active stakeholders rather than passive recipient of services.

6] proactive role of people with integrity eg whistleblowers

Government should promote such channels, through suo moto disclosures, safety of whistleblowers, genuine decentralization of POWER TO PEOPLE

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The given case study represents the twin faced & double edged sword of technologies → huge applicability, yet gaps.

My vision = Technologies should be a guide, not dictator

Stakeholders in the case:

1) police - using face recognition technology to nab criminals, identify suspects & missing persons.

2) Society at large → comprising of innocent people as well as criminals.

3) Reporters of crimes → like the woman in the case, with half knowledge.

4) Technology as a whole.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(9) Issues involved in case :-

1) Utilitarian principle of using technology for benefit of maximum number.

2) The woman reporting crime gave vague description to police.

3) Limitations of technology ⇒ wrongfully identified culprit

4) Loss to the innocent
   → his reputation tarnished for life
   → his family also suffered, evicted from place of residence
   → job also in danger.

5) lack of trained police → to be able to effectively utilize the technology.

6) lack of proper integration of facial recognition technology with existing surveillance cameras.

7) prevalence of crime in the city

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) Measures required to minimize negative implications of such technologies

(1) Technological research & development
↳ to evolve full proof technologies
↳ fix any loopholes
↳ ensure interoperability
↳ allow integration with pre-existing technologies
eg. combine with CCTNS, Cri-Mac.

(2) Training of police officials.
↳ to use newer technologies.
↳ to sensitize on treatment with accused / culprits -
↳ coordinate with other law enforcement agencies.

(3) Behavioural change in people
↳ to reduce crime rate.
↳ make aware about such technologies to create fear & deterrent effect.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ ensure genuine & faithful reporting of incidents.

④ Technology as means, not end.

↳ to follow deontological approach as utilize facial recognition technology as a 'tool' to be effectively utilized for SUMMOM BONUM.

↳ Technology cannot precede humans ⇒ hence need for preventive measures over curative & proactive security over reactive interrogation.

eg: Imbibe values of honesty, integrity

⑤ Due respect & dignity to the innocent. → Kant's categorical imperative.

All this needed to reduce crime, ensure genuine reporting & effective technological use.

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The given case study presents the dilemma faced by a girl due to excessive attention given by senior, yet nothing explicitly done wrong.

My vision :- Prevention is better than cure.

Stakeholders involved → Society at large
- Rina
- Her college friends
- Vice president
- Company

(a) Dilemmas faced by Rina :→

1) excessive attention by Vice President versus nothing wrong done or said explicitly

2] co-interns have also noticed behaviour of Vice President

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3] Vice President's stopping at Riha's cubicle and connecting over social networking site, but not doing so with other interns.

4] Riha's feeling uncomfortable despite nothing inappropriate said or done.

5] Riha's concentration at work reduced due to such events.

6) whether speak to manager or not

(b) Options available

1 Stay silent & do nothing

Merits	Demerits
→ no clash with Vice President	→ dilemma not resolve
→ Vice President hasn't done/said anything inappropriate: thus reputation intact	→ concentration at work not improve
→	→ discomfort not go away
	→ Vice President may make future advances

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) Talk to the Manager

Merits	Demerits
→ company encourages open & friendly atmosphere	→ might spread wrong rumours about Vice president
→ she will be able to share with someone & arrive at solution	→ her job might be affected.

(3) Talk directly to the Vice President

Merits	Demerits
→ direct channel of communication	→ Vice President might form bad image of Riha.
→ clarify her stand & resolve her fears	→ full time job prospects might get impacted.

(C) Course of action to be taken

Riha should take option (3) of directly talking to the ~~vice~~ vice president.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ clearly communicate her fears & dilemmas, as well as apprehension

↳ further depending on Vice Presidents response

clarifies that he is only being extrovert & friendly.

↳ Riha must still make it clear that she is her subordinate & they need to maintain healthy work culture.

makes further advances towards Riha.

↳ clearly deny and ~~stop~~ him from any further actions

↳ else complaint to the Manager

↳ Also, a communicative session among all co-workers can be organized: to spread awareness & provisions of POSH.

Justification → 1] without any wrong acts & merely on presumptions, actions should not be taken.

2] effective Samvad (dialogue), Samman (respect for co-workers) needed.

3] no action in hurry, rather well thought out.

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?
(b) How will you resolve the issues in the given case?
(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

The case study presents the decadence of education system, involving moral decay of teachers as well as parents → those who influence & shape children

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

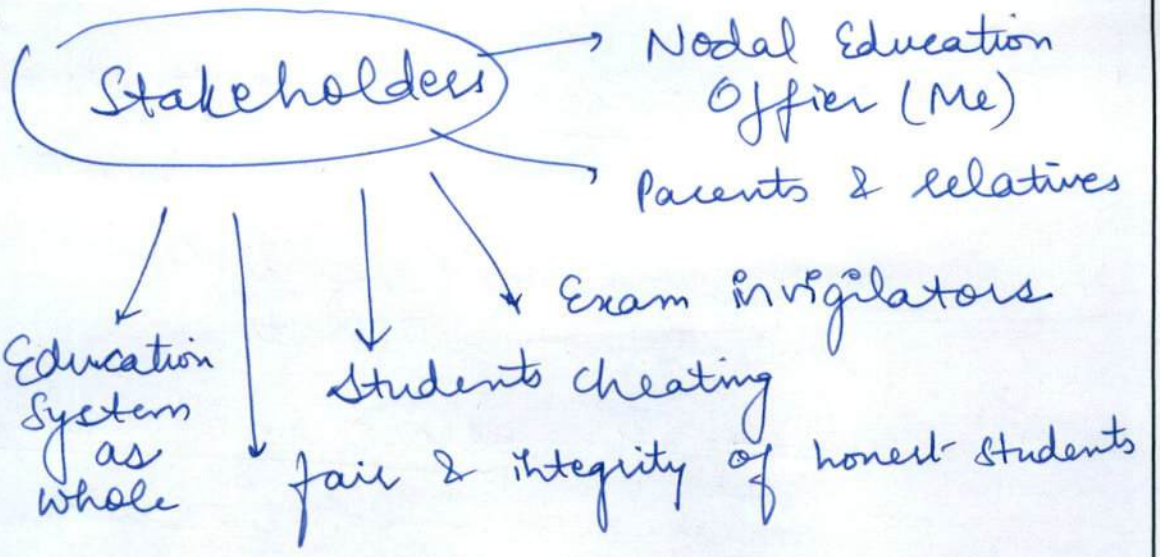

My vision : Education is the most important weapon to change world

(a) Ethical issues involved →

1] The first teachers of children, ie. parents themselves teaching cheating to their children.

2] Teachers running rackets → flouting exam rules

3] use of technology to cheat.

4] invigilators involved in wrong acts, yet threatening to go on mass strike if action taken.

5] process of cancelling exam & conducting it again is loss of time & money → also vicious cycle of cheating

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6] putting in place measures to prevent cheating, punish the wrongdoers as well as evolve fair system for honest students.

7] ~~change~~ the perception & prevalance of mass cheating, as 'regular phenomenon' in society, ie. acceptance

8] wrong means (cheating) to achieve end = Teleological approach

(b) Ways to resolve issues

1] First & foremost, I will constitute an independent committe to investigate the matter, regarding
(a) which all invigilators involved
(b) how many students cheating
(c) parents involved.

2] Based on the report, strict action to be taken against all culprits.

3]. Punishment necessary to set precedent
↳ (a) make students who cheated re-appear for exam.
(b) suspend the invigilators involved in rackets.

4) Re-exam will entail more time & money, but that is necessary for students' future.
This time with → a) more scrutiny & vigilance
b) recruiting honest invigilators after due diligence.

5) With regards to parents → ~~they~~ I will use my persuasion and interpersonal skills to make them understand that cheating will do no good to their children, rather destroy their future.

(c) Long term strategy to deal with cheating.

(1) Moral education to children to teach them honesty & integrity.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) Counselling sessions with students & parents to ensure "education as an end in itself" = fair & value based + deontological value of 'right means', ie. hard work.

(3) Fair recruitment procedure for invigilators → interview process
→ check track records.
→ fix accountability.

(4). Utilize social influence of role models to spread message
eg Modiji Mann ki Baat & Shiksha pe Charcha.

(5) Build a robust education system because futures of tomorrow are built in classrooms of today.

This will ensure SDG-4 as well as Shikshit Bharat Viksit Bharat (Educated India, Progressive India).

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?

(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The given case presents the clash between ecology & economic development, the difficulties in balancing both.

My vision: Economy & ecology can go hand in hand following principles of Ecocentrism

(a) Ethical issues involved.

(1) Deep sea drilling necessary for a) national security
b) supply of strategic minerals
c) harness thermal energy
d) study climate change.

∴ Huge potential

(2) Yet, dangers to environmental sustainability.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Questionable profitability of mining after harming the nature - higher cost over benefit.

(4) Huge companies (Google, volvo, etc) vowing not be buy metals produced from deep sea mining, yet government approved $540 mn project

(5) Short term gains of rare earth minerals v/s long term harm due to anthropogenic actions.

(6) fight between Anthropocentrism (man at centre) versus Biocentrism (nature at centre)

(7) Independent geologists report states need for understanding need for & consequences of deep sea mining.

(8) environmental, legal & governance challenges

(9) conflict with SDG goals.

(10) impact of cancelling project on economy & workforce

The margin note (Hindi and English) is printed on the answer sheet:

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) Need for sustainable vision for economic development

1] Cost Benefit Analysis

If cost > Benefits (cost of harming ocean ecosystem) → relook the project

If Benefits > Costs (benefits compensate harm to nature) → go ahead with project.

2] undertake EIA & SIA before proceeding with project.

3] multi stakeholder consultations
- including geologists
- environmentalists
- coastal communities

4] putting safeguards in place
like: a) prevent disturbance to marine biodiversity
b) not harm coral reefs

Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

5) Compensatory measures

cf. 1) use of biorock & cryomesh technology to build corals.

2) relocation of possible marine species

6) In depth analysis of

- Environmental
  - ↳ impact on ecology
- Legal
  - ↳ litigations at ICJ (UN) under UNCLOS. (High seas)
- Governance challenges
  - ↳ financing & manpower constraints

7) International collaborations

↳ for sharing information & sustainable sea mining practices

cf with Germany, Denmark

Hence, such holistic approach needed based on belief of:

PRAKRATI RAKSHITA RAKSHATI

i.e. nature protects when protected.

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

उम्मीदवारों को इस ब्लॉक में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The case presents clash between local residents and development of a religious place of worship.

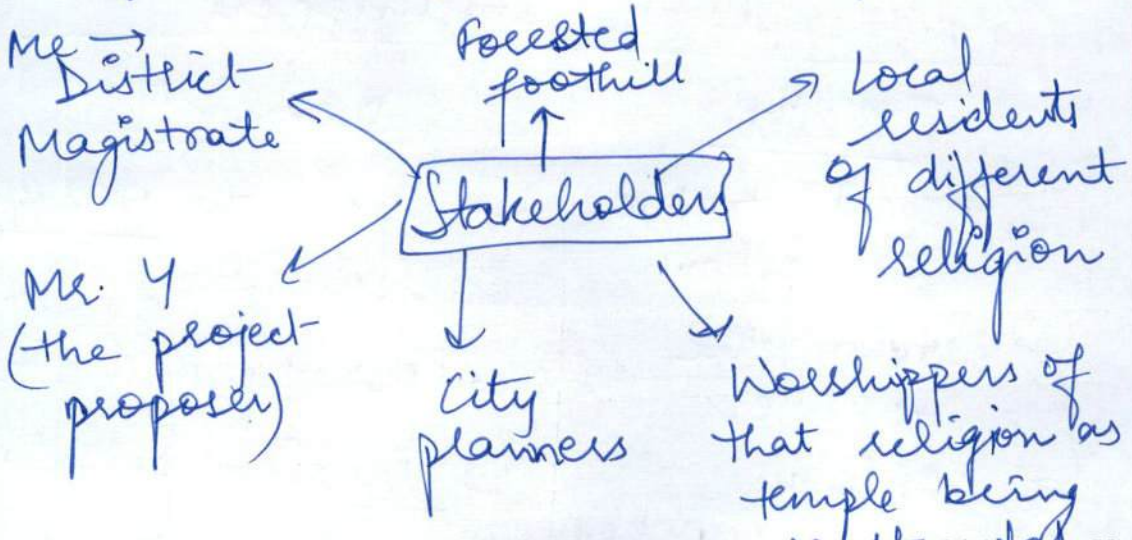

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(b) The possible courses of action with me include :

(1) Ignore opposition from residents & allow place of religious worship to be built in accordance with existing regulations :-

Merits	Demerits
↳ worshippers of religion will be happy.	↳ discontent among residents
↳ Mr. Y plan succeed	↳ damage to tranquil region
↳ utilitarian approach	↳ Traffic congestions
↳ worshipers from far off areas get to visit temple.	↳ Hazards on roads

(2) Prohibit construction agreeing with residents while causing distress among thousands of worshippers

Merits	Demerits
↳ prevent traffic congestion	↳ upset the worshippers from far away
↳ satisfy the opposers	↳ Mr. Y project stall
↳ ecology preservation	↳ Tourism potential hamper.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) As compromise, you place additional building regulations on worship place or insist on modifications of design.

Merits	Demerits
↳ Both worshippers & residents taken care of.	↳ might delay the project.
↳ Tourism as well as ecology enhanced.	↳ cause bureaucratic delays & hurdles.

(a) Reconcilitation of both view points

1] I will use my interpersonal skills to pacify both sides, be a patient listener first.

2] Using my persuasion, will convince both sides to accomodate

Worshippers & M.L.Y.	Residents
to adopt more building regulations to safeguard ecology	to understand the necessity of project for tourism boost

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3) I will also constitute an independent committee to check for the various dimensions of seismic feasibility, traffic congessions, single two lane road capacity & then adopt measures like.

(a) streamline traffic through signboards & traffic police

(b) stringent actions against those harming beauty of the place eg littering waste.

(c) Appoint Tourism Ambassadors to spread awareness about cleanliness of tourist places

Adopting the Dharmshala Declaration footsteps, I will make sure that neither tourist place nor ecological stability is compromised

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

www.visionias.in

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?
(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The given case shows the ethical dilemmas between personal & professional life.

(a) Ethical issues involved:

1] conflict between love of father & prospects of politician.

2] Adamant daughter wanting grand marriage.

3) people of constituency are unhappy with choice of bridegroom.

4) open-mindness of father versus conservative mindset of people.

5) possibility of denial of ticket by high command while wanting more responsibility & statute.

6) years of hardwork put into political party versus lifelong impact of decision on daughter's life.

(b) Options available with me as father :-

Deny marriage of daughter to someone from other community

Issues: (i) daughter's personal life should not depend on political career.

Go ahead with marriage as planned.

Issues:
(i) face opposition by voters, lose seat.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(ii) set wrong precedent for times to come

(ii) lose ticket as well as future prospects in party

(iii) father lose politician win

(iii) years of hard-work go waste

(iv) cognitive dissonance

Options available as Politician

1] convince voters through campaigns that ~~your~~ to my coming to power to bring huge dividends to them

2) persuade political party to give ticket to me & not lose a hardworking supporter.

3] convince daughter to change her choice of partner as it is necessary for my career prospects

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(c) Course of action →

(1) Let my daughter marry who she wants → her companion must be her choice, regardless of community.

(2) Use interpersonal skills to convince trust of voters & party to secure political growth.

(3) nudge people for behavioural change to accept other communities with open hearts

Daughter's choice be respected

Different communities must be respected

Justification & reasoning

personal & professional life should not be mixed.

value of tolerance

Fulfil responsibility of a father

to balance all interests.

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK